नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

संकट के समय समन्वय के साथ काम करना जरूरी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक संकट अब सीमाओं में बंधे नहीं रहते, बल्कि उनका प्रभाव सीधे आम नागरिक के जीवन तक पहुंचता है. हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों के साथ की गई वर्चुअल बैठक इसी बदलते वैश्विक परिदृश्य की गंभीरता को दर्शाती है. यह बैठक केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता नहीं थी, बल्कि एक व्यापक रणनीतिक दृष्टिकोण का संकेत भी थी, जिसमें 'टीम इंडिया' की अवधारणा केंद्र में है.

प्रधानमंत्री का 'टीम इंडिया' का आह्वान वस्तुतः सहकारी संघवाद की उस भावना को पुनर्स्थापित करता है, जिसने कोविड-19 जैसे अभूतपूर्व संकट में देश को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. इस समय जब खाड़ी क्षेत्र में अस्थिरता के कारण ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक मार्ग प्रभावित हो रहे हैं, तब केंद्र और राज्यों के बीच सशक्त समन्वय ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच बन सकता है. यह समझना आवश्यक है कि संकट के समय राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर एक साझा राष्ट्रीय दृष्टिकोण अपनाना ही देशहित में होता है.

ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा पर बैठक में दिया गया विशेष ध्यान अत्यंत प्रासंगिक है. भारत जैसे विशाल देश में पेट्रोल, डीजल और उर्वरकों की आपूर्ति में जरा-सी बाधा भी व्यापक आर्थिक असंतुलन पैदा कर सकती है. ऐसे में राज्यों को जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कदम उठाने के निर्देश न केवल आवश्यक हैं, बल्कि यह बाजार में विश्वास बनाए रखने के लिए भी अनिवार्य हैं. हाल के दिनों में ईंधन को लेकर फैली अफवाहों ने यह साबित किया है कि सूचना का संकट, वास्तविक संकट से कहीं अधिक खतरनाक हो सकता है.

भारतीय नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा इस पूरे परिदृश्य का सबसे संवेदनशील पक्ष है. खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीयों की उपस्थिति भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना दोनों के लिए महत्वपूर्ण है. होर्मुज़ जलडमरूमध्य जैसे संवेदनशील क्षेत्र में फंसे भारतीयों को लेकर सरकार की चिंता स्वाभाविक है. इस संदर्भ में सरकार की सक्रिय कूटनीति और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता की परीक्षा भी हो रही है. यह आवश्यक है कि हर भारतीय, चाहे वह देश में हो या विदेश में, स्वयं को सुरक्षित और संरक्षित महसूस करे.

आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए अंतर-मंत्रालयी समूह की सक्रियता एक सकारात्मक संकेत है. किसी भी संकट से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए निरंतर निगरानी और त्वरित निर्णय क्षमता अनिवार्य होती है. इसके साथ ही, प्रधानमंत्री द्वारा अफवाहों पर नियंत्रण और जनता के बीच विश्वास बनाए रखने की अपील भी अत्यंत महत्वपूर्ण है. आज के डिजिटल युग में सूचना का प्रवाह जितना तेज है, उतनी ही तेजी से भ्रम भी फैलता है, जो सामाजिक अस्थिरता को जन्म दे सकता है.

अंततः, यह संकट भारत के लिए एक परीक्षा भी है और एक अवसर भी. परीक्षा इसलिए कि हमें अपनी प्रशासनिक क्षमता, समन्वय कौशल और आर्थिक मजबूती को साबित करना है. अवसर इसलिए कि हम एक जिम्मेदार और सक्षम राष्ट्र के रूप में वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका को और सशक्त बना सकते हैं.रविवार को 'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री का देशवासियों को एकजुट रहने का संदेश इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

स्पष्ट है कि संकट का सामना केवल संसाधनों से नहीं, बल्कि सामूहिक संकल्प और समन्वित प्रयासों से किया जाता है. 'टीम इंडिया' की भावना यदि व्यवहार में उतरती है, तो कोई भी वैश्विक चुनौती भारत की प्रगति को रोक नहीं सकती.

'सॉफ्टवेयर' केवल संचार का माध्यम नहीं घातक हथियार बनेगा

अब जमीनी जंग में उतरेंगे मशीनी योद्धा

@ संजय श्रीवास्तव

अब युद्ध में मानवीकृत या ह्यूमनाइड रोबोट सैनिकों की आहट सुनाई देने लगी है. क्या वाकई युद्ध क्षेत्र में सैनिकों के खून नहीं बल्कि मशीन का 'बाइनरी कोड' बहेगा? युद्ध जमीन पर कम और स्क्रीन पर ज्यादा लड़े जाएंगे. 'सॉफ्टवेयर' केवल संचार का माध्यम नहीं घातक हथियार बनेगा और 'एल्गोरिद्म' अब कमांडर की भूमिका निभाएंगे. इस महीने यूक्रेन में पहले ह्यूमनाइड रोबोट सैनिक के परीक्षण से

निकले नतीजों ने ऐसे सवालों को जन्म दिया है. टाइम पत्रिका ने अमेरिका निर्मित 'फैंटम एमके-1' जैसे युद्धक सिस्टम का विवरण दिया है, जिसका पिछले महीने यूक्रेन युद्ध में परीक्षण किया गया, यह एक मिलिट्री ह्यूमनाइड रोबोट है. इन रोबोटिक इकाइयों को गोदामों, डॉकयार्ड्स और फैट्रियों में सामान ढोने या लॉजिस्टिक्स का प्रबंधन करने और टोह लेने के लिए इस्तेमाल करने की बात कही जा रही है. सैन्य रणनीतिकारों के लिए 'फैंटम' एक ऐसा हथियारबंद सैनिक है, जिसे दूर से नियंत्रित किया जा सकता है. यह कभी सोता नहीं, इसे भूख नहीं लगती और डर से मुक्त हो, हर तरह के हथियार चलाकर घातक हमले में सिद्धहस्त है. 'दोहरे उपयोग वाली तकनीक' का यह सबसे खतरनाक उदाहरण है. जो रोबोट आज कारखाने में बक्से उठा रहा है, उसे कल 'मशीनगन' थमाकर मोर्चे पर तैनात किया जायेगा. इन मशीनी मानवों का हर सेंसर, 360 डिग्री तक देख सकने वाला कैमरा जो डेटा इकट्ठा करेगा, उसे एक विशाल 'क्लाउड नेटवर्क' में भेजेगा, जहां एआई इस डेटा का विश्लेषण कर दुश्मन की अगली चाल का अनुमान लगा लेगा.

ये ऐसी तकनीक से युक्त हैं, जिनकी मदद से एक सेकंड के हजारवें हिस्से में दुश्मन को पहचानकर हमला कर सकेंगे. ऐसे ह्यूमनाइड रोबोट्स को ऐसे इलाकों में भेजने की योजना है, जहां मानवीय जोखिम बहुत अधिक है जैसे शहरी युद्ध या रासायनिक, जैविक हमले वाले क्षेत्र. क्या ये मशीनें किसी दुश्मन सैनिक, आतंकवादी और डरे हुए नागरिक के बीच अंतर कर पायेंगी? एआई की पहचान करने की क्षमता अभी भी त्रुटिपूर्ण हो सकती है. इससे 'कोलेटरल डैमेज' का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है; क्योंकि मशीन केवल डेटा देखती है, संदर्भ नहीं. मशीनी सैनिकों का मार्च का दुष्परिणाम केवल शारीरिक नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है. रोबोट सैनिकों की ऐसी सेना का सामना करना कठिन है, जिसे आप डरा नहीं सकते. यह दुश्मन के मनोबल को पूरी तरह तोड़ देगा. ये जब जंगी मैदान में उतरेंगे तो केवल गोलियां नहीं बरसायेंगे, गहरा खौफ पैदा करेंगे. दूर से नियंत्रित किए जाने वाले ये रोबोट सैनिक युद्ध को जिम्मेदारी और मानवीयता से काट देंगे.

यह 'वीडियो-गेमिंग' संस्कृति युद्ध को इतना आसान बना देगी कि भविष्य में युद्ध की आशंकाएं बढ़ जाएंगी. आज इजराइल व अमेरिका का ईरान से युद्ध जारी है. रूस-यूक्रेन युद्ध अनवरत है तो अफगानिस्तान-पाकिस्तान भी सींग भिड़ाए हुए हैं. सुडान और म्यांमार गृहयुद्ध झेल रहे हैं. होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी नाकाबंदी उस क्षेत्र को युद्धक्षेत्र बना सकती है. चीनी युद्धपोतों की भारी तैनाती और अमेरिकी नौसेना के जवाबी कदम से ताइवान में तनाव युद्ध में बदल सकता है. अटकल है कि ट्रंप ईरान के बाद क्यूबा को निशाना बनाएंगे. युद्ध के मैदान में एक सैनिक केवल अपने हथियार का उपयोग नहीं करता बल्कि वह अपने विवेक, प्रशिक्षण और मानवीय संवेदनाओं का भी प्रयोग करता है.

बदलेगा युद्धों का परिदृश्य

यदि एक मशीन को आदेश दिया गया है कि वह 'हथियारबंद खतरे' को समाप्त करे, तो क्या वह उस बच्चे को पहचान पाएगी जो खिलौना बंदूक लेकर खेल रहा है या उस किसान को, जिसके हाथ में हथियार नहीं खेती का औजार है? यह स्थिति हमें एक ऐसी भयावह वास्तविकता की ओर ले जाएगी. युद्ध अपराधों के लिए हमेशा किसी कमांडर को जिम्मेदार ठहराया जाता है. लेकिन यदि एक स्वायत्त रोबोट किसी अस्पताल पर हमला कर दे, तो कठघरे में कौन खड़ा होगा ? क्या वह प्रोग्रामर होगा जिसने कोड लिखा ? क्या वह निर्माता कंपनी होगी जिसने हार्डवेयर बनाया?

भागीदारी की शक्ति

भारत कैसे टीबी के खिलाफ बाज़ी पलट रहा है

जगत प्रकाश नड्डा

आज, जब भारत एक और टीबी मुक्त भारत अभियान दृ 100 दिनों की मुहिम शुरू कर रहा है, मैं तपेदिक (टीबी) को खत्म करने की हमारी यात्रा को अत्यधिक गर्व और नई उम्मीद के साथ देखता हूँ. हाल के वर्षों में, भारत की टीबी के खिलाफप्रतिक्रिया अद्वितीय रही है, जो जन.भागीदारी पर आधारित है तथा जिसमें सन्माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विज़न से प्रेरित सामूहिक जिम्मेदारी की भावना समाहित है. मिशन इंद्रधनुष जैसी प्रमुख पहलों की सफ्लता को बढ़ावा देकर तथा सामुदायिक स्तर पर 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' के संदेश को मजबूत करके, यह सम्पूर्ण समाज-आधारित दृष्टिकोण विभिन्न क्षेत्रों में अपनी ताकत साबित कर चुका है. दिसंबर 2024 में शुरू किए गए 100.दिन के गहन टीबी मुक्त भारत अभियान के अनुभव ने जन-शक्ति में हमारे विश्वास को और मजबूत किया है.

> टीबी के खिलाफ भारत का अभियान सिर्फ एक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयास नहीं है. यह एक जन-सहभागिता है . उद्देश्य के लिए एकजुट होने की हमारे देश की क्षमता का प्रमाण है . यदि हम एक साथ है, तो हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि अगली पीढ़ी टीबी को केवल इतिहास के एक अध्याय के रूप में जानेगी, न कि उनके जीवन की वास्तविकता के रूप में. यही वह भारत है जिसके लिए हम काम कर रहे हैं. यही वह भारत है जिसे हम मिलकर बनाएंगे. मुझे यकीन है कि हमारे सामूहिक प्रयासों से, हम अपने माननीय प्रधान मंत्री द्वारा निर्धारित संकल्प हाँ, हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं प्राप्त करेंगे.

चिकित्सा अभियान के रूप में शुरू हुई यह मुहीम अब एक जन आंदोलन बन गयी है. परिणाम स्वयं बोलते हैंरू भारत में 2015 से टीबी की घटनाओं में 21% की कमी दर्ज की गयी है . जो वैश्विक दर का लगभग दोगुना है . साथ ही टीबी मृत्यु दर में 25% की गिरावट आयी है. यह दिखाता है कि जब विज्ञान, प्रणाली और समाज साथ मिलकर काम करते हैं तो क्या हासिल किया जा सकता है.

आज भारत की तपेदिक के खिलाफ लड़ाई सामूहिक भागीदारी की ताकत को दर्शाती है. केंद्रीय मंत्रालयों से लेकर ग्राम पंचायतों तक, डॉक्टरों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक, हर कोई शामिल है. यहां तक कि उपचार पूरा कर चुके मरीज भी टीबी विजेताओं के रूप में दूसरों का समर्थन कर रहे हैं. स्वास्थ्य मंत्रालय ने 25 अन्य मंत्रालयों , सभी पंचायती राज संस्थानों और सामुदायिक संगठनों की विशेषज्ञता, नेटवर्क और बुनियादी ढांचे को एकजुट करने के लिए उनके साथ हाथ मिलाया है.

'मेरा भारत' कार्यक्रम के माध्यम के युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी भी इतनी ही प्रेरणादायक रही है. 2 लाख से अधिक मेरा भारत स्वयंसेवकों ने टीबी मरीजों के लिए उपचार पालन और गरिमा बहाल करने हेतु मानसिक और सामाजिक समर्थन प्रदान करने के लिए पंजीकरण कराया है.

विज्ञान और नवाचार से प्रभाव- हमारी रणनीति नए साक्ष्यों और उभरती चुनौतियों के जवाब में लगातार विकसित हुई है. भारत के राष्ट्रीय टीबी प्रसार सर्वेक्षण से पता चला कि आधे मरीज सामान्य लक्षण नहीं दिखाते हैए जिससे बगैर.लक्षण वाली संवेदनशील आबादी में सक्रिय जांच की ओर बदलाव हुआ. मौन मामलों से संक्रमण फैलता है दृ एक रोगी, जिसकी जांच नहीं हुई है, अनजाने में दूसरों को संक्रमण दे सकता है, जिससे प्रारंभिक जांच केवल आवश्यकता नहीं बल्कि नागरिक जिम्मेदारी भी बन जाती है.

एआई.सक्षम छोटी एक्स-रे मशीने और उन्नत आणविक परीक्षण की तकनीक से लैस निःक्षय वाहन, सबसे अधिक जोखिम वाले समुदायों को आसान जांच की सुविधा देती हैं. इस से अब तक 20 करोड़ से अधिक लोगों की जांच की गई, जिससे 32.65 लाख टीबी मामले पाए गए, जिनमें 10.9 लाख बगैर लक्षण वाले मामले थे, जिनका अन्यथा निदान नहीं हो पाता.

इस गति को बनाये रखते हुए, हम टीबी मुक्त भारत अभियान के अगले 100 दिन के अभियान में 3,000 से अधिक एआई.संचालित छोटे एक्स.रे उपकरणों और अगले पीढ़ी के डायग्नोस्टिक मशीनों को तैनात किया जाएगा. जबकि डेटा-संचालित उपकरण उन उच्च-जोखिम गांवों और शहरी वार्डों की पहचान करने में मदद करेंगे, जहां लक्षित जांच का सबसे बड़ा प्रभाव पड़ सकता है.

भारत का तेजी से शहरीकरण हो रहा है. घनी आबादी और कमजोर समुदायों को देखते हुए, यदि जांच और देखभाल को मजबूत नहीं किया गया तो यह रोग अनजाने में फैल सकता है. इस लिए हम उच्च जोखिम वाले शहरी क्षेत्रों जैसे अनौपचारिक बस्तियों, प्रवासी श्रमिक समूहों और अन्य कमजोर आबादी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं.

आगे का रास्ता- जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमारा कार्य स्पष्ट होता जा रहा हैरू हासिल की गयी गति को बनाए रखना और इसे और भी अधिक तेजी से आगे बढ़ाना है. भारत एक ऐसा राष्ट्र है, जब हम साथ मिलकर प्रयास करते हैं तो यह हमेशा सफ्ल होता है. हमने पोलियो उन्मूलन के लिए एकजुट होकर कार्य किया.

(लेखक केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री एवं रसायन और उर्वरक मंत्री हैं)

बंगाल में लाखों लोग वोट नहीं डाल पाएंगे

व्यापक गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तथा सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद भी बंगाल में 60 .06 लाख लोग यह नहीं जानते कि 23 और 29 अप्रैल को होने जा रहे विधानसभा चुनाव में उन्हें वोट डालने दिया जाएगा या नहीं! इन लोगों के नाम मतदाता सूची में दर्ज होने के बावजूद न्याय प्रक्रिया (एडजुडीकेशन) में अटके हुए हैं. इसलिए वह वोट नहीं दे पाएंगे. उनका डेटा मैच नहीं हो पा रहा है. यद्यपि चुनाव आयोग ने उसी समय 8 राज्यों व 3 केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर करवाया लेकिन यह समस्या सिर्फ बंगाल में पाई गई. उत्तरप्रदेश छोड़कर अन्य राज्यों में फरवरी माह में ही अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित हो गई. तमिलनाडु व केरल में भी पूरी स्पष्टता है कि व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल है या नहीं! वहां बीच वाली कोई अनिश्चित स्थिति नहीं है. मतदाता सूची से हटाए गए व जोड़े गए नामों का डेटा वहां के मुख्य चुनाव अधिकारियों के पास मौजूद है. गत 20 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में विचाराधीन न्यायिक प्रक्रिया (एडजुडीकेशन) के मामलों की जांच के लिए 500 न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति की. जैसे ही वह इन मामलों को निपटाएंगे, पूरक मतदाता सूची प्रकाशित कर दी जाएगी. मतदाता सूची नामांकन दाखिले के अंतिम दिन अर्थात 23 अप्रैल व 29 अप्रैल को अंतिम मान ली जाएगी. फिर कोई नाम निकाला या जोड़ा नहीं जाएगा. पहली पूरक मतदाता सूची ईसी के पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है. राजनीतिक पार्टियों व उम्मीदवारों को

अभी स्पष्ट रूप से मालूम नहीं है कि मतदाता सूची में कितने वोटर कायम हैं. बंगाल में सत्तारुढ़ टीएमसी ने आरोप लगाया कि जिन मतदाताओं के नाम 28 फरवरी को प्रकाशित वोटर लिस्ट में थे उन्हें अब एडजुडीकेशन के अंतर्गत बताया जा रहा है. इस बारे में चुनाव अधिकारी जानकारी नहीं दे रहे हैं. यदि मतदाता सूची में नाम नहीं आया तो नामांकन दाखिले की आखिरी तारीख से 10 दिन पहले अपील दाखिल करनी होगी लेकिन जब पूरक सूची की अगली किस्त जारी होगी तभी तो लोगों को पता चल पाएगा कि उनका नाम उसमें शामिल है या नहीं. ऐसे में अपील दायर करने का समय मिल पाएगा या नहीं, इसे लेकर संदेह बना हुआ है. एसआईआर के बाद बंगाल की वोटर लिस्ट में 7 .04 करोड़ मतदाता हैं. बाकी का नाम एडजुडीकेशन में अटका हुआ है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

देवाभाऊ ने किया उपकार सस्ती बिजली का उपहार

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवाभाऊ की देवकृपा से बिजली सस्ती होने वाली है. यह मत समझना कि 1 अप्रैल से सस्ती बिजली देने की घोषणा कर आपको अप्रैल फूल बनाया जा रहा है. अब कुकिंग गैस का संकट भूलकर बिजली के इंडक्शन कुकर पर खाना पकाइए. आपको 10 से 14 प्रतिशत तक बिजली बिल में राहत मिलनेवाली है. मुख्यमंत्री ने महायुति सरकार की स्थापना के समय जो वचन दिया था, उसे पूरा कर दिखाया. आपको कहने की जरूरत ही नहीं पड़ी कि जो वादा किया है, निभाना पड़ेगा.'

हमने कहा, 'बिजली के महत्व को समझते हुए फिल्मी गीत लिखे गए हैं जैसे कि-बादल-बिजली, चंदन-पानी जैसा अपना प्यार, लेना होगा जनम हमें कई-कई बार ! बिजली गिराने मैं चली आई, कहते हैं मुझको हवा-हवाई. बिजली के बल्ब का आविष्कार टॉमस अल्वा एडीसन ने किया था. विदर्भ की बिजली से मुंबई, पुणे, नाशिक जैसे शहर जगमगाते हैं और पश्चिम महाराष्ट्र के उद्योग चलते हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'जब बिजली उपलब्ध नहीं थी तो लोग दीया, चिमनी या लालटेन जलाया करते थे. लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल का चुनाव चिन्ह आज भी लालटेन है. उन्होंने इसे अपग्रेड नहीं किया. कहते हैं आज भी बिहार के कितने ही गांवों में बिजली नहीं है. लोग खम्बे में लगे बिजली के तार चुराकर बेच देते हैं तो अंधेरा ही रहेगा. बिजली के लैंप पोस्ट के नीचे बैठकर पढ़ाई करनेवाले आगे चलकर महापुरुष बन गए. अब इंसान बिना बिजली के जी नहीं सकता. उसे फैन, कूलर, एसी सबकुछ चाहिए. पहले एक भाई दूसरे की फिक्र करता था, अब वाई-फाई कनेक्शन चला जाए तो लोग बेचैन हो जाते हैं. फ्रिज, माइक्रोवेव, वैक्यूम क्लीनर, वाटर हीटर, मिक्सी, टीवी, कंप्यूटर, टंकी में पानी चढ़ानेवाले पम्प सभी के लिए बिजली की सप्लाई अनिवार्य है.'

हमने कहा, 'निशानेबाज, बिजली का उपयोग सावधानी से करना चाहिए. कितने ही लोग बिजली का शॉक लगने से जान गंवा बैठते हैं. कूलर में पानी भरते समय ध्यान रखना चाहिए कि उसमें करेंट तो नहीं आ रहा है. आसमान से गिरनेवाली बिजली से भी बचकर रहना चाहिए. मुख्यमंत्री ने बिजली तो सस्ती कर दी लेकिन बाकी वस्तुओं की महंगाई जनता को झटका दे रही है.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12212 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	■	3		4		5
6		7		■		■	
	■		■	8	■	9	
10		■	11				■
■	■	12			■	13	14
15		■	16		17	■	
	■	18		■	19	20	
21		■	22		■	23	

बाएं से दाएं
1. महीना, माह 3. पथ प्रदर्शन, रास्ता दिखाना 6. लज्जाशील, शर्मीला 9. सौ का पचीसवाँ भाग, बहुत से, कुछ 10. लहू, खून 11. भाज्य को भाजक से भाग देने पर प्राप्त संख्या 12. पूरब से आने वाली हवा, छोटा गांव 13. हुक्के का दम, फूंक (उर्दू) 15. ध्वनि, आवाज, सार्थक ध्वनि 16. बंदर 18. विवाह, शादी 19. फूल लगना, पुष्पित होना, हवा भरने से मोटा हो जाना 21. जल से रहित भूमि, स्थान, जगह 22. पुरुष, पुरुष जाति का 23. बिना पलक गिराए एक ही ओर देखना, स्थिर दृष्टि

ऊपर से नीचे
1. माला बनाने वाला, माली 2. रूप, शोभा, सजावट 3. पराजय, हार, माता 4. व्यथा, पीड़ा, दुख (उर्दू) 5. नाशवान, क्षणभंगुर 7. खानदान, कुल, बॉस (सं.) 8. ईश्वर 9. चलाने वाला (सं.) 11. बोझा ढोने की क्रिया या भाव 14. लज्जाजनक 15. कसम, सौगंध, प्रतिज्ञा 17. फटे कपड़े पर फटे हुए स्थान को तागे की बुनावट से ठीक करना (उर्दू) 20. केशलता, बालों का गुच्छा जो नीचे की ओर लटके

Solution 12211

बा	त	सु	ल	ना	■	व	सु
द	वा	■	ड़	■	सू	■	अ
शा	■	अ	ख	बां	र	■	व
ह	ड़	ब	ड़ा	ना	■	ब	स
त	■	■	ना	व	■	ह	र
■	का	या	■	री	त	ना	■
क	त	र	ना	■	क	पा	ट
ला	ना	■	प	स	ली	■	र

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा के क्षेत्र में सफ्लता मिलेगी, यात्रा का योग है, व्यय में कमी होगी, व्यवसाय में सुधार होगा, वर्ष के मध्य में परिश्रम के उपरांत आंशिक सफ्लता प्राप्त होगी, शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी, अत्याधिक व्यय होगा, वर्षके अन्त में राजनैतिक लाभ के योग हैं, व्यवसाय में वृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को परिश्रम के उपरांत लाभ होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को अत्याधिक परिश्रम करना पडेगा, पर लाभ कम होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक लाभ होगा,सिंह राशि के व्यक्तियों को सहयोगरहेगा, मकर और कुंभ राशि की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को अच्छे लाभ का योग है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को सहयोग प्राप्त होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक गंभीर, उदार, एवं दृढ़ निश्चयी स्वाभाव का होगा. इनकी स्मरण शक्ति अच्छी होती है, भाग्यशाली आकर्षक व्यक्तित्व का रहेगा. दूसरों को अपनी ओर प्रभावित करने की इनमें क्षमता रहेगी. माता पिता का सदैव आदर करेगा.

मेष- कोर्ट कचहरी के कार्यो में सफ्लता मिलेगी. नवीन कार्यो में लाभ होगा. महत्वाकांक्षी कार्यो को गति मिलेगी. साहस और संयम से कार्य करें.

वृषभ- आय कम और व्यय की अधिकता रहेगी. गुप्त शत्रुओं से चिन्ता होगी. अपमान एवं तनाव की स्थिति से बचें. पदोन्नति आदि का योग है.

मिथुन- जीवनसाथी का सहयोग रहेगा. व्यवसायिक कार्यो में सफ्लता मिलेगी. भ्रमण मनोरंजन, आमोद प्रमोद के सुख साधन बढ़ेंगे. यश प्राप्त होगा.

कर्क- दिनचर्या नियमित रहेगी. इच्छानुसार कार्य बनेंगे. प्रिय व्यक्ति की भेंटवार्ता होगी. यश, मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी.

सिंह- परिवारिक समस्या का सरलता से समाधान होगा. खानपान पर नियंत्रण रखें. नवीन योजना बनेगी. पूज्य व्यक्ति से भेंटवार्ता होगी. यश प्राप्त होगा.

कन्या- मित्र समागम होगा. लाभ प्राप्तहोने का योग है. पारिवारिक विवाद को टालना हितकर रहेगा. कौटुम्बिकजनों से महत्वपूर्ण विचार विमर्श हितकर रहेगा.

तुला- मांगलिक कार्य में सफ्लता मिलेगी. मान सम्मान में वृद्धि होगी. भाई बहिनों का सुख सहयोग प्राप्त होगा. अतिथि आगमन होगा.

वृश्चिक- श्रम एवं प्रयास से सफ्लता मिलेगी. सामाजिक कार्यो में यश एवं कीर्ति प्राप्त होगी. मित्रता उपयोगी रहेगी. पदोन्नति होने का योग है.

धनु- जमीन जायजाद प्रापर्टी आदि के कार्यो में व्यवधान पैदा होगा. अनावश्यक खर्च से आपका बजट बिगड़ सकता है. मित्रता उपयोगी रहेगी.

मकर- संतान पक्ष व राजकीय कार्यो में खर्च होगा. अधिकारियों का सहयोग मिलेगा. आपकी जबावदारी बढ़ सकती है. सुख सम्मान रहेगा.

कुम्भ- आर्थिक कार्यों में अच्छी सफ्लता मिलेगी. संतान पक्ष की चिन्ता रहेगी. भौतिक सुख सुविधाओं की वृद्धि होने का योग है. मान-सम्मान मिलेगा.

मीन- आर्थिक संसाधनों में वृद्धि होगी. महिला जाति की सलाह लाभकारी रहेगी. नियमितता का ध्यान रखें, आपके लिये यह हितकर होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

पंचांग

रा.मि. 09 संवत् 2083 चैत्र शुक्ल द्वादशी चन्द्रवासरे दिन 7/19, मघा नक्षत्रे दिन 2/55, शूल योगे शाम 5/5, बालव करणे सू.उ. 5/53, सू.अ. 6/7, चन्द्रचार सिंह, पर्व- सोम प्रदोष व्रत, शु.रा. 5, 7, 8, 11, 12, 3 अ.रा. 6, 9, 10, 1, 2, 4 शुभांक- 7,9, 3.

व्यापार भविष्य

चैत्र शुक्ल द्वादशी को मघा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीतल, लोहा, गुड़ खांड़ चीनी, ज्वार, के भाव में तेजी का रूख रहेगा. सरसों, तिल, तेल, गेहूँ, घी, के भाव में नरमी रहेगी. वायदा विचार आज वस्तु में भाव टूटें उसमें मंदी होगी. भाग्यांक 2611 है.

SUDOKU 7344

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

● प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ● पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ● पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7343

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2